गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

F.Y. B.A. General Course (CBCS Syllabus)

स्नातकस्तरीय सी. बी. सी. एस्. पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र - 1st semester

CORE COURSE (CC) DSC 1A CORE COURSE HNC 101

मध्यकालीन एवं आधुनिक हिंदी काव्य तथा व्याकरण (4 Credits)

(Madhyakaalin Evam Aadhunik Hindi Kavya Tatha Vyakaran)

Prerequisite for the course पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	• हिंदी भाषा के ज्ञान के साथ, कविताओं में रुचि होना आवश्यक है। • It is mandatory to have interest in poems as well as knowledge of Hindi language	**Hours**
Objective उद्देश्य	• इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी अनेक कवियों और उनकी रचनाओं से परिचित होंगे। कविताओं में रुचि उत्पन्न होगी। • Student will be familiar with the different poets and their poems. They will also develop interest in poems.	
Learning Outcome अधिगम परिणाम	Student's will- • Learn about the various poets and their poems, the values imparted and will also develop keen interest in poems. • Gain knowledge of grammar • Learn about the various measures to improve Hindi spellings • Learn about the various measures to improve Hindi spellings	
Content विषयवस्तु	**हिंदी पद्य** • कबीर: 10 दोहे एवं 2 पद • तुलसीदास : विनय पत्रिका के 2 पद • घनानंद : 2 कवित्त	**30**

	• सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : अधिवास, गहन है यह अंध:कारा • माखनलाल चतुर्वेदी : जवानी, अमर निशानी, कैदी और कोकिला • गजानन माधव मुक्तिबोध : एक फोडा दुखा, मीठा बेर • सुदामा पांडये 'धूमिल' : मुनासिब कार्यवाही, अकाल दर्शन • अरूण कमल : मातृभूमि, पुतली में संसार • लीलाधर मंडलोई : यह आदमी, आपत्ति • अनामिका : बेजगह, वृद्धाएँ धरती का नमक हैं • बोधिसत्व: कुछ दिनों पहले, मेरा कुछ नहीं हो सकता	
	खण्ड काव्य • डॉ. रामकुमार वर्मा : 'ओ अहल्या'	**15**
	व्याकरण • शब्द के रूप • वर्तनी सुधार • संधि एवं संधि विच्छेद • विकारी एवं अविकारी शब्द	**15**
References/ Readings **संदर्भ ग्रंथ**	• लोकवादी तुलसीदास : विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, 1991 • संपादक रामविलास शर्मा : राग विराग, लोकभारती प्रकाशन, 1988 • धूमिल : संसद से सडक तक, राजकमल प्रकाशन, 1992 • परमानंद श्रीवास्तव : समकालीन हिंदी कविता : नए प्रस्थान, वाणी प्रकाशन • रामविलास शर्मा : निराला की साहित्य साधना, राजकमल प्रकाशन, 1982 • कामता प्रसाद गुरू : हिंदी व्याकरण, हिंदी मराठी प्रकाशन, नागपुर 2011	

○ 15

गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

F.Y. B.A. General Course (CBCS Syllabus)

स्नातकस्तरीय सी. बी. सी. एस्. पाठ्यक्रम

द्वितीय सत्र - 2nd semester

CORE COURSE (CC) DSC 1B CORE COURSE HNC 102

आधुनिक हिंदी कथा साहित्य एवं व्याकरण (4 Credits)

(Aadhunik Hindi Katha Sahitya Evam Vyakaran)

Prerequisite for the course पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	• हिंदी भाषा के ज्ञान के साथ कहनियों में रुचि होना आवश्यक है। • It is mandatory to have interest in stories as well as knowledge of Hindi language.	**Hours**
Objective उद्देश्य	• इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी अनेक रचनाकारों और उनकी रचनाओं से परिचित होंगे। कहानियों में रुचि उत्पन्न होगी। • Student will be familiar with the different writers and their literary work. They will also develop interest in stories.	
Learning Outcome अधिगम परिणाम	Student's will- • Gain knowledge about the modern Hindi literature and will develop deep understanding about some of important writers and their literary work. • Understand the relevancy of the novel and will be familiar with the current situation of people in the society. • Be familiar with the proverbs, idioms and will make use of it in writing • Develop writing skill .	

Content **विषयवस्तु**	**हिंदी कहानी** • बंग महिला - दुलाईवाली • प्रेमचंद - प्रायच्छित • अज्ञेय - खितिन बाबू • फणीश्वरनाथ रेणु - ठेस • राजेन्द्र यादव - दायरा • रामदरश मिश्र - एक औरत एक ज़िंदगी • मैत्रेयी पुष्पा - बेटी • उदय प्रकाश - आचार्य की रजाई • मोहनदास नैमिशराय - आवाजें • जयश्री रॉय - आस्था • कैलाश बनवासी - बाजार में रामधन	**30**
	• **उपन्यास -** ममता कालिया - 'दौड'	**15**
	व्याकरण • उपसर्ग • प्रत्यय • समास • विराम चिन्ह • लोकोक्तियाँ और मुहावरे • संवाद लेखन	**15**
References/ **Readings** **संदर्भ ग्रंथ**	• कामता प्रसाद गुरू : हिंदी व्याकरण, हिंदी मराठी प्रकाशन, नागपुर 2011 • गोपाल राय : हिंदी कहानी का इतिहास - भाग १, भाग २, राजकमल प्रकाशन, 2011 • डॉ. वेदप्रकाश अमिताभ : हिंदी कहानी के सौ वर्ष, मधुवन प्रकाशन, मथुरा, 1988 • डॉ. बदरीदास : हिंदी उपन्यास - पृष्ठभूमि और परंपरा, प्रकाशन ग्रंथ, रामबाग, कानपुर, 1966	

गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

FYBA General Course (CBCS Syllabus)

स्नातकस्तरीय सी.बी.सी.एस पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र – 1st semester and 2nd semester

Ability Enhancement Compulsory Course (AECC)

Modern Indian Language Communication HNA 101

संप्रेषण कौशल (4 Credits)

(Sampreshan Kaushal)

Prerequisites for the Course **पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित**	• हिन्दी भाषा का परिचयात्मक ज्ञान होना अपेक्षित है।	**Hours**
Objectives **उद्देश्य**	• हिंदी भाषा के व्याकरण से अवगत कराना। • विद्यार्थियों में सम्प्रेषण कौशल को विकसित करना। • विद्यार्थियों में विश्लेषणात्मक कौशल को विकसित करना। • To make students learn the basic grammar of Hindi language. • To develop communication skills in students. • To develop analytical skill in the student.	
Learning outcome **अधिगम परिणाम**	Students will be able to – • Learn the basics of grammar in Hindi language and use it appropriately in Hindi Language • Understand the process of communication and its effect on giving and receiving information. • Apply effective communication skills in a variety of public and interpersonal settings • Students analyzing skills will be enhanced • They will develop their listening, speaking and questioning skills	
Content	**1. हिंदी व्याकरण**	**15**

विषयवस्तु	अ. स्वर-व्यंजन : वर्गीकरण आ. संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, लिंग, वचन, कारक इ. शब्द-उच्चारण : ध्वनि गुण	
	2. भाषिक संप्रेषण : स्वरूप एवं प्रकार अ. संप्रेषण : अवधारणा एवं महत्व आ. संप्रेषण के प्रकार - मौखिक और लिखित, वैयक्तिक और सामाजिक, व्यावसायिक अ.संप्रेषण की चुनौतियाँ	**15**
	3. संप्रेषण के माध्यम - एकालाप, संवाद, सामूहिक चर्चा, दृश्य श्रव्य (व्यावहारिक प्रयोग अपेक्षित है।)	**15**
	4. प्रभावी संप्रेषण - गहन अध्ययन, कल्पनाशीलता, व्याख्यायित करना, चर्चा, विवेचन, विवाद, तर्कसंगत विश्लेषण मूल्यांकन आदि के आधार पर निम्नलिखित कहानियों, कविताओं फिमों का मूल्यांकन करना अनिवार्य है। **<u>कहानियाँ</u> -** चंद्रधर शर्मा गुलेरी - उसने कहा था यशपाल - फूलों का कुरता मन्नू भंडारी - यहीँ सच है ओमप्रकाश वाल्मीकी - ग्रहण **<u>कविताएँ</u> -** नागार्जुन - प्रेत का बयान केदारनाथ सिंह - बनारस दुष्यंत कुमार - मैं जिसे ओढ़ता बिछाता हुँ केदारनाथ अग्रवाल - सब चलता है लाकतंत्र में **<u>फिल्म</u> -** एक कला फिल्म, एक व्यावसायिक फिल्म	**15**

References/Readings **संदर्भ ग्रंथ**	• रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव : हिंदी का सामाजिक संदर्भ, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा 1984 • वी.आर जगन्नाथ : प्रयोग और प्रयोग, ओक्स्फर्ड विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली, 1981 • विश्वनाथ प्रसाद तिवारी : रचना का सरोकार, वाणी प्रकाशन 1987 • विद्यानिवास मिश्र : सम्प्रेषण और संप्रेषणात्मक व्याकरण, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा 1988 • कामताप्रसाद गुरु : हिंदी व्याकरण, हिंदी मराठी प्रकाशन, नागपुर 2011	

गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

FYBA General Course (CBCS Syllabus)

स्नातकस्तरीय सी.बी.सी.एस पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र – 1st Semester

Generic Elective (GE) – HNG 101

जनसंचार माध्यम : मुद्रित माध्यम (4 credits)

(Jansanchar Madhyam : Mudrit Madhyam)

Prerequisites for the Course **पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित**	जनसंचार माध्यमों का परिचयात्मक ज्ञान होना अपेक्षित है ।	**Hours**
Objectives **उद्देश्य**	• विद्यार्थियों को मुद्रित माध्यम के स्वरूप से परिचित कराना। • मुद्रित माध्यम के विविध माध्यमों के प्रति रुचि विकसित करना तथा इससे संबद्ध क्षेत्रों में कार्य की दृष्टि से समझ, कौशल तथा दक्षता विकसित करना। • To make students aware about the print media • To develop an interest among the students towards the different forms of print media and also to develop in them the necessary skills, understanding and efficiency required to work in those fields.	
Learning Outcome **अधिगम परिणाम**	Students will be able to – • Understand the structure of communication, mass communication, its types and its importance. • Learn the basics of news gathering and news writing, demonstrate the ability to research and evaluate appropriate sources and background material for a news writing. • Learn about the nature of advertisement	

	and also acquire the necessary skills to design an advertisement. • Identify the basic qualities of an interview, use mock situations to develop and conduct a structured interview and avoid common interviewing mistakes for future interviews. • Apply professional writing skills to produce feature articles.	
Content **विषयवस्तु**	**1. मुद्रित माध्यम** • पत्रकारिता - स्वरूप, वर्गीकरण एवं महत्त्व • समाचार लेखन के तत्व, पृष्ठ सजा एवं प्रकाशन प्रक्रिया • समाचार के विभिन्न स्त्रोत • पत्रिकाएँ - प्रकार एवं महत्व	**15**
	2. मुद्रित माध्यम • विज्ञापन : स्वरुप, प्रस्तुतिकरण एवं महत्व • फीचर लेखन - स्वरुप एवं महत्व • साक्षात्कार लेखन - स्वरुप. प्रकार एवं प्रक्रिया (व्यावहारिक प्रयोग अनिवार्य है।)	**15**
	3. मुद्रित माध्यम और समाज • सकारात्मक प्रभाव • नकारात्मक प्रभाव • मुद्रित माध्यमों की चुनौतियाँ	**15**
References/Readings **संदर्भ ग्रंथ**	• डॉ. अर्जुन तिवारी : आधुनिक पत्रकारिता, हिन्दी बुक सेंटर, दिल्ली, 2004 • डॉ. सुजाता वर्मा : पत्रकारिता प्रशिक्षण एवं प्रेस विधि, आशीष प्रकाशन, कानपुर, 2005 • डॉ. नरेश मिश्र : प्रयोजनमूलक हिंदी, राजपाल प्रकाशन, दिल्ली • डॉ. चंद्रप्रकाश मिश्र : मीडिया लेखन-सिद्धांत एवं व्यवहार, संजय प्रकाशन, दिल्ली 2013 • डॉ. निशांत सिंह : विज्ञापन निर्माण और प्रक्रिया, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली, 2003	

गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

FYBA General Course (CBCS Syllabus)

स्नातकस्तरीय सी.बी.सी.एस पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र – 2nd semester

Generic Elective (GE) – HNG 102

जनसंचार माध्यम : इलेक्ट्रोनिक माध्यम (4 credits)

(Jansanchar Madhyam : Electronic Madhyam)

Prerequisites for the Course **पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित**	जनसंचार माध्यमों का परिचयात्मक ज्ञान होना अपेक्षित है।	**Hours**
Objectives **उद्देश्य**	• विद्यार्थियों को इलेक्ट्रोनिक माध्यम के स्वरूप से परिचित कराना। • इलेक्ट्रोनिक माध्यम के विविध माध्यमों के प्रति रुचि विकसित करना तथा इससे संबद्ध क्षेत्रों में कार्य की दृष्टि से समझ, कौशल तथा दक्षता विकसित करना । • To make students aware about the nature of electronic media • To develop an interest among the students towards the different forms of electronic media and also to develop in them the necessary skills, understanding and efficiency required to work in the same	
Learning Outcome **अधिगम परिणाम**	Students will be able to – • Become media literate: know the history, and structure of the electronic media, its types and importance • Know about the current structure of the radio through the study of its various channels and its effect on an audience • Learn about what is script writing and the basic elements of script writing and its process	

	• Will be able to design invitation cards and tabloid with the help of computer software • Identify issues and problems facing electronic media and discuss their impact on society.	
Content **विषयवस्तु**	**इलेक्ट्रोनिक माध्यम:** स्वरुप , भेद एवं महत्व	**15**
	रेडियो • विकास एवं महत्व • रेडियो लेखन • सरकारी एवं गैर सरकारी रेडियो चैनल	
	सिनेमा • हिन्दी सिनेमा - स्वरूप, विकास यात्रा एवं महत्व • पटकथा लेखन - स्वरूप एवं प्रक्रिया	**15**
	दूरदर्शन • विकास एवं महत्व • दूरदर्शन लेखन • सरकारी एवं गैर सरकारी दूरदर्शन चैनल	**15**
	संगणक • परिभाषा, स्वरूप, विकास एवं महत्व • व्यावहारिक प्रयोग - किसी भी सॉफ्टवेअर के द्वारा लघु समाचार पत्रिका तथा निमंत्रण पत्र बनाना	**15**
	इलेक्ट्रोनिक माध्यम तथा समाज • सकारात्मक प्रभाव • नकारात्मक प्रभाव • इलेक्ट्रोनिक माध्यमों की चुनौतियाँ	
References/Readings **संदर्भ ग्रंथ**	• डॉ. अर्जुन तिवारी : आधुनिक पत्रकारिता, हिन्दी बुक सेंटर, दिल्ली, 2004 • डॉ. सुजाता वर्मा : पत्रकारिता प्रशिक्षण एवं प्रेस विधि, आशीष प्रकाशन, कानपुर, 2005 • डॉ. नरेश मिश्र : प्रयोजनमूलक हिन्दी,	

	राजपाल प्रकाशन, दिल्ली • डॉ. सु. नागलक्ष्मी: संचार, सूचना, कम्प्युटर और प्रयोजनमूलक हिन्दी जगत, जवाहर पुस्तकालय, 2012 • डॉ. चंद्रप्रकाश मिश्र : मीडिया लेखन-सिद्धांत एवं व्यवहार, संजय प्रकाशन, दिल्ली 2013 • डॉ. निशांत सिंह : विज्ञापन निर्माण और प्रक्रिया, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली, 2003 • हरिमोहन : कम्प्युटर और हिंदी, हिंदी बुक सेंटर, 2016 • मनोहर श्याम जोशी : पटकथा लेखन एवं परिचय, राजकमल प्रकाशन, 2000 • अमरसिंह वधान : कम्प्युटर प्रयोग और हिंदी, भावना प्रकाशन, दिल्ली 2003	

गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

S.Y. B.A. General Course (CBCS Syllabus)

स्नातकस्तरीय सी. बी. सी. एस्. पाठ्यक्रम

तृतीय सत्र - 3rd semester

CORE COURSE (C) DSC 1C

HNC 103

हिंदी साहित्य का आदिकाल एवं मध्यकाल : परिचयात्मक अध्ययन

(4 Credits)

(Hindi Sahitya ka Aadikaal Evam Madhyakaal : Parichayaatmak Adhyayan)

Prerequisite for the course **पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित**	• हिंदी भाषा के ज्ञान के साथ साहित्य में रुचि होना आवश्यक है। • It is mandatory to have interest in Hindi Literature .	**Hours**
Objective **उद्देश्य**	• To make students aware about the developments in medieval Hindi poetry. • To introduce the poetic vision of a specific poet through their composition	
Learning Outcome **अधिगम परिणाम**	Student's will- • Student will get to know about the political, social and literary background of 1050-1375 • Student will analyze the role of ancient poetry. • Students will acquire knowledge about the different developments in the field of ancient - medieval poetry. • They will learn about the specific features of each era of Hindi poetry written from 1375 to 1700 • Student will learn about the leading poets of RITIKAAL and the Social , Political, Cultural background of Hindi literature (1700- 1900) • Student will learn about the poets - Kushal Laabh,	

	Raidaas , Malik Muhammad Jayasi , Naabhadaas , Surdaas , Meerabai , Bodha , Dev through the specified poems in the syllabus	
Content **विषयवस्तु**	**हिंदी साहित्य का आदिकाल एवं मध्यकाल : परिचयात्मक अध्ययन** **आदिकाल : परिचयात्मक अध्ययन** i. सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक परिवेश। ii. आदिकालीन विभिन्न काव्यधाराओं का प्रवृत्तिगत परिचय (सिद्ध, नाथ, जैन तथा रासो काव्य)	**30**
	भक्तिकाल : परिचयात्मक अध्ययन i. सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक परिवेश। ii. भक्तिकालीन विभिन्न काव्यधाराओं का प्रवृत्तिगत परिचय अ. निर्गुण भक्तिकाव्य - संत काव्य एवं सूफी काव्य। ब. सगुण भक्तिकाव्य - रामभक्ति एवं कृष्णभक्ति काव्य।	
	रीतिकाल : परिचयात्मक अध्ययन i. सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक परिवेश। ii. रीतिकालीन काव्यधाराएँ - रीतिबद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य।	
	निर्धारित कवि एवं चयनित रचनाएं • कुशल लाभ - ढोला मारु रा दूहा - 10 दोहे संपादक - डॉ॰ कृष्ण कुमार शर्मा (दोहा संख्या: 1, 4, 12, 17, 38, 64, 77, 83, 138, 305) • रैदास - रैदास बानी - 5 पद संपादक - डॉ॰ शुकदेव सिंह (पद संख्या:6, 103, 128, 144, 194) • मलिक मुहम्मद जायसी - पद्मावत - 5 पद (पद संख्या:बनिजारा खण्ड-9, प्रेम खण्ड-7, पद्मावती वियोगखण्ड-7, बसंत खण्ड-9, चितौर आगमन खण्ड- 5) • नाभादास - भक्तमाल - 5 पद	**30**

	व्याख्याकार - श्री रामकृष्ण देव गर्ग (पद संख्या: 4, 5, 41, 142, 370) • सूरदास- भ्रमरगीतसार - 5 पद सं॰ रामचन्द्र शुक्ल (ऐसे भक्ति मोहे भावे, दरसन बिना तरसत मोरी, बेर बेर नहीं आवे अवसर, मधुकर! स्याम हमारे चोर, निरगुन कौन देश को वासी) • मीराबाई - मीरा ग्रंथावली - 5 पद सं॰ कल्याणसिंह शेखावत (पिय निन सनो छै जी म्हारो देश, तमु सुणो जी म्हारो अरजी, मैं तो सांवरे के रंग राची, है मेरो मनमोहना आयो नहीं, मनवा राम-नाम-रस पीजै • बोधा - फुटकल रचनाएँ - 5 पद (काँपत गात सकात बतात, वह प्रीती की रीति को, कहिबे को व्यथा सुनिबे, कूर मिले मगसर मिले, कबहुँ मिलिबो, यह धीरज) • देव - रीतिकाव्य संग्रह - 5 पद (जबते कुवर कान्ह रावरी, साहिब अंध, मुसाहिब मूक, पाँयनि नूपुर मंजू बजै, सांसन ही में समीर गयो, सुधाकर से मुख बानि सुधा)	
References/ Readings **संदर्भ ग्रंथ**	• रामचंद्र शुक्ल : हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद 2002 • आ.हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिंदी साहित्य : उद्भव एवं विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ,2015 • डॉ॰ रामकुमार वर्मा : हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद, 2007 • डॉ. नगेन्द्र : हिंदी साहित्य का इतिहास , नेशनल पब्लिशिंग हाउस , नई दिल्ली, 2016 • सुमन राजे : हिंदी साहित्य का आधा इतिहास , भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 2003 • नाभादास - भक्तमाल , श्री वियोगी विश्वेश्वर, निंबाकाचार्य पीठ (परशुरामपुरी सलेमाबाद राजस्थान)	

गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

S.Y.BA. General Course (CBCS Syllabus)

स्नातकस्तरीय सी.बी.सी.एस पाठ्यक्रम

चतुर्थ सत्र – 4th semester

Core Course (C) DSC 1D

HNC 104

आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य : परिचयात्मक अध्ययन (1850 से 1960 तक)

(4 Credits)

(Aadhunik Hindi Gadhya Sahitya: Parichayatmak Adhyayan)

(From 1850 to 1960)

Prerequisites for the Course **पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित**	• हिन्दी भाषा का परिचयात्मक ज्ञान होना अपेक्षित है।	**Hours**
Objectives **उद्देश्य**	• विद्यार्थियों को हिन्दी गद्य विधाओं के विकास क्रम से अवगत कराना। • विद्यार्थियों को निर्धारित रचनाओं के अध्ययन द्वारा गद्य साहित्य एवं उनके रचनाकार से परिचित कराना। • To make students aware about the developments in the forms of Hindi prose • To introduce students to prose literature and their creators by studying the prescribed compositions.	
Learning outcome **अधिगम परिणाम**	Students will be able to – • Know about the different forms of modern Hindi prose, and learn how these forms evolved and developed throughout the specified time • Will also know about the leading prose writers and their contributions in a specific form • Evaluate the specified stories, novel, drama and essays	

	• Analyse the writers perspective about the stories, novel, drama and essays	
Content **विषयवस्तु**	**हिन्दी गद्य विधाओं का परिचयात्मक अध्ययन** कहानी, उपन्यास, नाटक और निबंध विधाओं के विकास के विभिन्न चरण, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी प्रतिनिधि रचनाओं का उल्लेख	**30**
	निर्धारित रचनाकार एवं रचनाएं **कहानी -** प्रेमचंद- 'नशा' जयशंकर प्रसाद - 'आकाशदीप' मन्नू भंडारी - 'मैं हार गयी' **उपन्यास -** यशपाल - 'मनुष्य के रूप' **नाटक -** जगदीशचन्द्र माथुर - 'कोणार्क' **निबंध -** प्रतापनारायण मिश्र - 'दाँत' रामचंद्र शुक्ल- 'उत्साह' हरिशंकर परसाई - 'मातादीन चाँद पर'	**30**
References/Readings **संदर्भ ग्रंथ**	• डॉ. रामकुमार वर्मा : हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद, 2007 • डॉ. नगेन्द्र : हिंदी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2016 • सुमन राजे : हिंदी साहित्य का आधा इतिहास, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 2003 • बच्चन सिंह : साहित्यिक निबंध : आधुनिक दृष्टिकोण, वाणी प्रकाशन	

गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

S.Y. B.A. General Course (CBCS Syllabus)

स्नातकस्तरीय सी. बी. सी. एस्. पाठ्यक्रम

तृतीय सत्र - 3rd semester

HGC 101

आधुनिक हिंदी गद्य की इतर विधाएँ (4 Credits)

(Aadhunik Hindi Gadya ki Itar Vidhaen)

Prerequisite for the course **पाठ्यक्रम के पूर्वापेक्षित लिए**	• हिंदी भाषा का ज्ञान होना आवश्यक है । • It is mandatory to have a knowledge of Hindi language.	**Hours**
Objective **उद्देश्य**	• To make students learn the new forms of Hindi Literature and the characteristics of new forms through the compositions given in the syllabus • To develop analytical skill in the student	
Learning Outcome **अधिगम परिणाम**	Student's will- • Student will get to know about the writers point of view and his writing styles through the study of specified biography Awara Massiha written by Vishnu Prabhakar • Student will be able to evaluate the travelogue Yah Bhi Koi Des Hai Maharaj - through this travelogue, students are made aware of the social, political conditions of our country along with Anil Yadav's visit. • Student will learn about the memories of writer associated with poets Jayshankar Prasad , Sumitranandan Pant , Maithilisharan Gupta , Subhadrakumari Chauhaan , Siyaaram Sharan Gupta through the Path Ke Saathi - Memoirs written by Mahadevi Varma • Students will acquire knowledge about the Shinkaje	

	Ka Dard autobiography written by Sushila Takbhore	
Content **विषयवस्तु**	विष्णु प्रभाकर- **'आवारा मसीहा' (जीवनी)** राजपाल प्रकाशन, दिल्ली	**15**
	अनिल यादव: **'वह भी कोइ देश है महाराज' (यात्रा वतांत)** अंतिका प्रकाशन, गाजियाबाद, उ॰ प्र॰	**15**
	महादेवी वर्मा : **'पथ के साथी' (संस्मरण)** लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।	**15**
	सुशीला टाकभौरे: **'शिकंजे का दर्द' (आत्मकथा)** वाणी प्रकाशन, दिल्ली	**15**
References/ Readings **संदर्भ ग्रंथ**	• बच्चन सिंह : हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2004 • मनोरमा शर्मा : संस्मरण और संस्मरणकार, आराधना ब्रदर्स, कानपुर • कमलापति उपाध्याय : हिंदी आत्मकथा साहित्य का शैलीगत अध्ययन, साहित्य रत्नालय • रामस्वरुप चतुर्वेदी : गद्य विन्यास और विकास, लोकभारती प्रकाशन	

गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

S.Y.BA. General Course (CBCS Syllabus)

स्नातकस्तरीय सी.बी.सी.एस पाठ्यक्रम

चतुर्थ सत्र – 4th semester

Core Course (C) DSC 1D

HGC- 102

आधुनिक हिंदी पद्य (4 Credits)

(Aadhunik Hindi Padya)

Prerequisites for the Course **पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित**	• हिन्दी भाषा का परिचयात्मक ज्ञान होना अपेक्षित है।	**Hours**
Objectives **उद्देश्य**	• विद्यार्थियों को आधुनिक हिन्दी पद्य से अवगत कराना। • विद्यार्थियों को निर्धारित कविताओं के माध्यम से एक विशिष्ट रचनाकार की काव्य-दृष्टि से परिचित कराना। • To make students aware of modern Hindi Poetry. • To introduce students to the poetic vision of a specific poet through the prescribed Poems.	
Learning outcome **अधिगम परिणाम**	Students will be able to – • Know about the different poets of modern Hindi poetry • Analyse the poetries • Learn about the poets vision • Know about Sarveshvardayal Saxena • Analyse his poetries • Learn about his vision through his poems	
Content **विषयवस्तु**	**हिन्दी पद्य** • भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : नए जमाने की मुकरी • निराला : जल्द जल्द पैर बढ़ाओ, आओ, आओ!,	**30**

	राजा ने अपनी रखवाली की • सुभद्राकुमारी चौहान : बिदाई, स्वदेश के प्रति • हरिवंशराय बच्चन : गणतंत्र दिवस, हिन्दू और मुसलमान • नागार्जुन : सुबह-सुबह, शासन की बंदूक • केदारनाथ अग्रवाल : सिनेमाइ संसार, लोगों का जीवन • दुष्यंतकुमार : ग़ज़लें • धूमिल : रोटी और संसद, बीस साल बाद • कात्यायनी : रामधनी , हाकी खेलती लड़कियाँ • निर्मला पुतुल : क्या तुम जानते हो, उतनी दूर मत ब्याहना बाबा!	
Content **विषयवस्तु**	**सर्वेश्वरदयाल सक्सेना - प्रतिनिधि कविताएं** 1. नहीं नहीं प्रभु तुम से शक्ति नहीं माँगूंगा 2. माँ की याद 3. पोस्टमार्टम की रिपोर्ट 4. जूता- 1,2,3,4 5. देशगान 6. तुम्हारे साथ रहकर 7. सुर्ख हथेलियाँ 8. रसोइ 9. अपनी बिटिया के लिए दो कविताएं 10.गरीबा का गीत	**30**
References/Readings **संदर्भ ग्रंथ**	• लीलाधार मंडलोई : कविता के सौ वर्ष, अकादमिक प्रतिभा, दिल्ली • नंदकिशोर नवल : समकालीन काव्य यात्रा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2014 • नंदकिशोर नवल : कविता पहचान का संकट, भारतीय ज्ञानपीठ, 2006 • ए अरविंदाक्षन: समकालीन हिन्दी कविता, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली	

गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

S.Y. B.A. General Course (CBCS Syllabus)

स्नातकस्तरीय सी.बी.सी.एस पाठ्यक्रम तृतीय सत्र - 3rd Semester

Generic Elective: (GE) HNG: 103

हिंदी साहित्य की विविध विधाएँ (4 credits)

(Hindi Sahitya Ki Vividh Vidhayein)

Prerequisite for the course पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	• हिंदी साहित्य में रुचि होनी आवश्यक है। • It is mandatory to have interest in Hindi literature.	**Hours**
Objective उद्देश्य	• इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी अनेक कृतियों और साहित्यिक विधाओं से परिचित होंगे। • Student will be familiar with the different literary works and literary genres.	
Learning Outcome अधिगम परिणाम	Student's will- • Gain knowledge about the poet and will learn moral values through the poems. • Relate the incidents and problems to the present time and will develop critical thinking skills • Develop keen interest in reading stories • Develop different perspective towards the life.	
Content विषयवस्तु	मधुशाला **(काव्य)** - हरिवंशराय बच्चन; राजपाल एण्ड संस	**15**
	• सूरज का सातवाँ घोडा (**उपन्यास)** - धर्मवीर भारती नेशनल बुक सेंटर	**15**
	• जिंदगी और गुलाब के फूल उषा - **(कहानी संग्रह)**प्रियंवदा; भारतीय ज्ञानपीठ	**15**
	• ताजमहल का टेंडर - **(नाटक)**अजय शुक्ला; राजकमल	**15**

	प्रकाशन, प्रकाशन संस्थान	
References/ Readings **संदर्भ ग्रंथ**	• हिंदी उपन्यास का इतिहास - गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन • कहानी नयी कहानी - नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली 1973 • बच्चन : व्यक्तित्व और कृतित्व, जीवन जोशी, सन्मार्ग प्रकाशन • कवीश्री बच्चन : व्यक्ति और दर्शन, साहित्य भवन, इलाहाबाद • बच्चन : एक अध्ययन, ललित अरोरा, भारतीय ग्रंथ निकेतन • हरिवंशराय बच्चन - अजित कुमार, साहित्य अकादमी • धर्मवीर भारती की साहित्य साधना - पुष्पा भारती, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली • हिंदी नाटक : उद्भव और विकास - दशरथ ओझा, राजपाल प्रकाशन , दिल्ली 1984	

गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

S.Y. B.A. General Course (CBCS Syllabus)

स्नातकस्तरीय सी.बी.सी.एस पाठ्यक्रम चतुर्थ सत्र - 4th Semester

Generic Elective: (GE) HNG: 104

साहित्य और हिंदी सिनेमा (4 credits)

(Sahitya Aur Hindi Cinema)

Prerequisite for the course पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	• हिंदी साहित्य में रुचि होनी आवश्यक है। • It is mandatory to have interest in Hindi literature .	**Hours**
Objective उद्देश्य	• इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी अनेक कृतियों और साहित्यिक विधाओं से परिचित होंगे। • Student will be familiar with the different literary works and literary genres	
Learning Outcome अधिगम परिणाम	Student's will- • Gain theoretical knowledge about the evolution and development of Cinema • Familiar with the process of film making and will generate interest in different areas of Film making • Learn about the co relation between Literature and Cinema and will Gain knowledge about the various challenges during conversion of text to film. • Get opportunity to explore various cinema's based on literature and will generate their interest in literature and Cinema	
Content विषयवस्तु	• हिंदी सिनेमा : उद्भव और विकास	**15**
	• सिनेमा निर्माण की प्रक्रिया	**15**
	• साहित्य और सिनेमा का अंतःसंबंध	**15**

	• सिनेमा :रुपातंरण की चुनौतियाँ	**15**
	अध्ययन के लिए 1.बंदिनी 2. 1084 की माँ 3. गोधूली 4. साहिब बीबी और गुलाम 5. उमराव जान (पुरानी) 6. एक चादर मैली सी 7. पिंजर 8. शतरंज के खिलाड़ी 9. तीसरी कसम 10. रजनीगंधा 11. आँधी 12. घरौंदा 13. भूमिका 14. रेनकोट 15. गाइड 16. हैदर (उपरोक्त फिल्मों में से छह हिल्मों का अध्ययन अनिवार्य है।)	
	• भारतीय सिने सिद्धांत- अनुपम ओझा, राधाकृष्ण प्रकाशन, 2009 • सिनेमा कल आज और कल- विनोद भारव्दाज, हिंदी बुक सेंटर, 2006 • सिनेमा के बारे में- जावेद अख्तर, राजकमल प्रकाशन, 2008 • हिंदी सिनेमा के सौ वर्ष - दिलचस्प (नारायण सिंह राजावत), भारतीय पुस्तक परिषद, 2009	

गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

Programme: B.A. HINDI (HONOURS)

SEMESTER- V

Course: Discipline Specific Elective DSE HND- 101

Title of the Course: रचनात्मक लेखन (Rachanatmak Lekhan)

No. of Credits: 4 (60 Hours)

Effective from Academic Year: 2019-2020

Prerequisites for the course **पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित**	• विद्यार्थियों को हिंदी भाषा का ज्ञान होना तथा वाचन एवं लेखन में उनकी रुचि होना अपेक्षित है। • It is mandatory for the students to have the required knowledge of the language and keen interest in reading and writing.	**Hours**
Objective **उद्देश्य**	• पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में रचनात्मक लेखन-कौशल का विकास करना। • To develop creative writing skills among the students through the curriculum.	
Learning Outcome **अधिगम परिणाम**	Student's will- • Develop theoretical understanding of creative writing and will learn the importance and scope of creative writing • Develop practical understanding of creative writing • Get familiar with the different methods of creative writing and will be able to write Stories, Poems, Street plays, Book Review, Songs, Advertisement, Interview, etc. • Use the appropriate verses and ornaments in their creative writing	

	skills.	
Content **विषयवस्तु**	**१. रचनात्मक लेखन-** • अवधारणा एवं स्वरूप • रचनात्मक लेखन- विविध क्षेत्र जनसंचार माध्यम (प्रिन्ट एवं इलेक्ट्रोनिक), लोकप्रिय संस्कृति आदि। • रचनात्मक लेखन के प्रकार - मौखिक-लिखित, गद्य-पद्य, कथात्मक-कथेतर, पाठ्य-नाट्य आदि।	**15 Hours**
	२. रचनात्मक लेखनः व्यावहारिक प्रयोग • कविता • गीत • कहानी • लघु नाटक • नुक्कड़ नाटक • यात्रा वृत्तांत • पुस्तक समीक्षा • साक्षात्कार • फीचर • विज्ञापन	**30 Hours**
	३. निबंध-लेखन • राजनीतिक • सामाजिक • सांस्कृतिक • साहित्यिक	**10 Hours**
	४. छंद एवं अलंकार • छंद - दोहा, चौपाई, कवित्त, सवैया, मुक्त छंद, गज़ल ▪ अलंकार- अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, मानवीकरण	**05 Hours**
References/Readings **संदर्भ ग्रंथ**	• राजेश जोशी- एक कवि की नोटबुक, राजकमल	

	प्रकाशन, सं. 2004 • कुमार विमल(सं)- काव्य रचना प्रक्रिया, बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पटना, सं. 1974 • डॉ.चंद्रप्रकाश मिश्र- मीडिया लेखन-सिद्धांत एवं व्यवहार, संजय प्रकाशन, दिल्ली, सं. 2003 • रमेश गौतम(सं)- रचनात्मक लेखन, भारतीय ज्ञानपीठ, सं. 2016 • डॉ. हरदेव बाहरी- व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण तथा रचना, लोकभारती प्रकाशन, सं. 2002 • डॉ. उमेश चन्द्र शुक्ल- हिन्दी व्याकरण-रस, छंद-अलंकार सहित, वाणी प्रकाशन, सं. 2011 • नंदकिशोर नवल (सं)- भारतीय साहित्यशास्त्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 2003.	

गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

Programme : B.A. HINDI (HONOURS)

SEMESTER- V

Course :Discipline Specific Elective DSE HND- 102

Title of the Course : अस्मितामूलक विमर्श

(Asmitamoolak Vimarsh)

No. of Credits : 4 (60 Hours)

Effective from Academic Year: 2019-2020

Prerequisites for the course **पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित**	विद्यार्थियों को विभिन्न साहित्यिक विमर्शों का परिचयात्मक ज्ञान होना अपेक्षित है।	**Hours**
Objective **उद्देश्य**	• प्रस्तुत पाठ्यक्रम से विद्यार्थी अस्मितामूलक विमर्शों की जानकारी प्राप्त करेंगे तथा इस क्षेत्र में उठ रहे प्रश्नों पर विचार कर सकेंगे।	
Learning Outcome **अधिगम परिणाम**	• Students will be able to know about the different forms of 'Asmitamoolak Vimarsh' that evolved over a period of time, its nature and the important questions raised in their discussion • Student will acquire knowledge about the leading authors of feminism in Hindi literature and their contributions in the same. • Student will acquire knowledge about the leading authors of Dalit vimarsh in Hindi literature through their self-experienced atrocities in their writings • Student will acquire knowledge about the leading authors of Aadivasi vimarsh in Hindi literature through their writings.	

Content **विषयवस्तु**	**१. अस्मितामूलक विमर्श** • अवधारणा, स्वरूप एवं महत्व • स्त्री विमर्श, दलित विमर्श, आदिवासी विमर्श, किन्नर विमर्श, अल्पसंख्यक विमर्श, किसान विमर्श, पारिस्थितिकी विमर्श आदि।	**15**
	२. स्त्री विमर्श • प्रमुख रचनाकार- कृष्णा सोबती ,मृदुला गर्ग, प्रभा खेतान, चित्रा मुद्गल ,मैत्रेयी पुष्पा, अनामिका ,कात्यायनी, गीतांजली श्री। • विशेष अध्ययन- उपन्यास- प्रभा खेतान- छिन्नमस्ता	**15**
	३. दलित विमर्श • प्रमुख रचनाकार- ओमप्रकाश वाल्मीकि, मोहनदास नैमिशराय, सूरजपाल चौहान, जयप्रकाश कर्दम, तुलसीराम, सुशीला टाकभौरे, कौसल्या बैसंत्री, श्योराज सिंह बेचैन। • विशेष अध्ययन - आत्मकथा- सूरजपाल चौहान- तिरस्कृत	**15**
	४. आदिवासी विमर्श • प्रमुख रचनाकार- रमणिका गुप्ता ,भगवानदास मोरवाल, निर्मला पुतुल, तेजेंदर पाल ,हरिराम मीणा, रणेंद्र, महुआ माजी, शरणकुमार गोस्वामी। • विशेष अध्ययन- काव्य लोकप्रिय आदिवासी कविताएं -सं.वंदना टेट 1. दुलाय चंद्र मुंडा- असम के भाइयों के लिए 2. तेसुला आओ- यह समय 3. ग्रेस कुजूर- प्रतीक्षा 4. वाहरु सोनवणे- दाग 5. रामदयाल मुंडा- वापसी 6. उज्ज्वला ज्योति- जंगली घास	**15**

	7. महादेव टोप्पो- कविता को झारखंड घुमाना चाहता हूँ 8. इरोम चानू शर्मिला- एक मुबारक स्त्री 9. हरिराम मीणा- जारवा आदिवासी को स्वप्न में देखकर 10. कमल कुमार ताँती- सभ्यता के यात्री 11. निर्मला पुतुल- बाहामुनी 12. अनुज लुगुन- अघोषित उलगुलान 13. वंदना टेटे- डूबो के खिलाफ 14. जनार्दन गोंड- पत्थर और इंसान	
Pedagogy **अध्यापन विधियाँ**	व्याख्यान, कथा-कथन, समस्या निर्मूलन, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति, प्रश्न-मंजुषा, समूह चर्चा, अध्ययन भ्रमण ।	
Text **आधार ग्रंथ** **References/Readings** **संदर्भ ग्रंथ**	• प्रभा खेतान-छिन्नमस्ता --राजकमल प्रकाशन, दिल्ली। • सूरजपाल चौहान-तिरस्कृत- अनुभव प्रकाशन, गजियाबाद, सं. 2006 • वंदना टेटे- लोकप्रिय आदिवासी कविताएं, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली- सं.2017 • आशारानी व्होरा - भारतीय नारी: दशा और दिशा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, सं. 1983 • अनामिका : स्त्री विमर्श का लोकपक्ष, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2012 • जगदीश चतुर्वेदी, अस्मिता साहित्य और विचारधारा, आनंद प्रकाशन, सं. 2001 • रेखा कस्तवार, स्त्री चिंतन की चुनौतियाँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिली, सं. 2002 • डॉ. हरिनारायण ठाकुर-दलित साहित्य का समाजशास्त्र, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 2009	

	• ओमप्रकाश वाल्मीकि- दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, सं.2001 • बजरंग बिहारी तिवारी-दलित साहित्यःएक अंतर्यात्रा, नवारुण, गाज़ियाबाद, सं.2015 • अभय कुमार दुबे (सं)- आधुनिकता के आइने में दलित, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2008 • रमणिका गुप्ता(सं), आदिवासी समाज और साहित्य, कल्याणी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली, सं. 2015 • हरिराम मीणा- आदिवासी दुनिया, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत, सं. 2016	

गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

Programme: B.A. HINDI (HONOURS)

SEMESTER- V

Course: Discipline Specific Elective DSE HND- 103

Title of the Course: साहित्य और हिंदी सिनेमा (Sahitya Aur Hindi Cinema)

No. of Credits: 4 (60 Hours)

Effective from Academic Year: 2019-2020

Prerequisites for the course **पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित**	• हिंदी भाषा के ज्ञान के साथ, साहित्य एवं सिनेमा में रुचि होना अपेक्षित है। • It is mandatory to have interest in literature, cinema and as well as in the Hindi language	**Hours**
Objective **उद्देश्य**	• इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी सिनेमा विधा तथा साहित्य और सिनेमा के अंतःसंबंधों से परिचित होंगे । साहित्य के फिल्मांकन का व्यावहारिक अनुभव भी वे ले पायेंगे। • Student will be familiar with the co relation between Cinema and literature and will be able to gain practical experience of filming of literature	
Learning Outcome **अधिगम परिणाम**	Student's will- • Develop understanding on the introduction of Cinema and will be familiar with the genre of Cinema • Gain knowledge about the technical terminology related to film • Learn about the co relation between Literature and Cinema and will develop ability to analyze the world of literature and films based on literature. • Learn to create own short films.	

Content **विषयवस्तु**	**१. हिंदी सिनेमाः उद्भव और विकास** • सिनेमा विधा का परिचय • हिंदी सिनेमा का प्रारंभ • हिंदी सिनेमा का विकास (साहित्यिक कृतियों पर आधारित फिल्मों का उल्लेख अपेक्षित) • सिनेमा से संबंधित तकनीकी शब्दावली	**15 Hours**
	२. सिनेमा निर्माण की प्रक्रिया • सिनेमा निर्माण के चरण कथा-विकास (विचार,कथा, पटकथा, संवाद) निर्माण-पूर्व निर्माण उत्तर- निर्माण वितरण एवं प्रदर्शन	**10 Hours**
	३. साहित्य और सिनेमा - अंतःसंबंध • साहित्य एवं सिनेमा- तुलनात्मक अध्ययन • सिनेमा में साहित्य- कथा, पटकथा,संवाद, गीत, फिल्म-समीक्षा • पाठ का दृश्य-श्रव्य माध्यम के लिए रूपांतरण • पाठ के दृश्य-श्रव्य रूपांतरण की चुनौतियाँ • पाठ पर आधारित पटकथा लेखन एवं लघु फिल्म-निर्माण का व्यावहारिक प्रयोग	**15 Hours**
	४. साहित्यिक कृतियों पर आधारित फिल्में 1) तीसरी कसम 2) शतरंज के खिलाड़ी 3) रजनीगंधा 4) उमराव जान (मुजफ्फर अली द्वारा निर्देशित) 5) घरौंदा 6) सूरज का सातवां घोड़ा (पाठ एवं फिल्म का तुलनात्मक अध्ययन अपेक्षित)	**20 Hours**
References/Readings **संदर्भ ग्रंथ**	• अनुपम ओझा भारतीय सिने सिध्दांत .सं राधाकृष्ण प्रकाशन 2009 • असगर वजाहत, पटकथा लेखन- व्यावहारिक	

	निर्देशिक, राजकमल प्रकाशन, सं. 2011 • हरीश कुमार, सिनेमा और साहित्य, संजय प्रकाशन, दिल्ली, सं. 2010 • विनोद भारद्वाज, सिनेमा कल, आज और कल, वाणी प्रकाशन, सं. 2006 • जावेद अख्तर, सिनेमा के बारे में, राजकमल प्रकाशन, सं. 2008 • मृत्युंजय, (सं), सिनेमा के सौ वर्ष, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली, सं. 2008 • डॉ. रामदास नारायण तोंडे , हिंदी साहित्य और फिल्मांकन, लोकवाणी संस्थान, अशोक नगर, नई दिल्ली-93, सं. 2016 • विवेक दुबे संजय ,हिंदी साहित्य और सिनेमा , प्रकाशन, नई दिल्ली , सं2009 . • प्रह्लाद अग्रवाल, हिंदी सिनेमा आदि से अनंत, साहित्य भंडार, इलाहाबाद, सं. 2014	

गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

Programme : B.A. HINDI (HONOURS)
SEMESTER- V
Course :Discipline Specific Core DSC HNC- 105
Title of the Course : आधुनिक हिंदी काव्य का इतिहास
(Aadhunik Hindi Kavya Kaa Itihaas)
No. of Credits : 4 (60 Hours)
Effective from Academic Year: 2019-2020

Prerequisites for the Course **पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित**	• हिन्दी भाषा एवं साहित्य का परिचयात्मक ज्ञान होना अपेक्षित है।	**Hours**
Objectives **उद्देश्य**	• विद्यार्थियों को आधुनिक हिन्दी काव्य के विकास क्रम से अवगत कराना। • रचना के माध्यम से एक विशिष्ट रचनाकार की काव्य-दृष्टि से परिचित कराना।	
Learning outcome **अधिगम परिणाम**	• Student will get to know about the political, social and literary background of 1757-1857 which lead to the rise of modern Hindi poetry • Students will acquire knowledge about the different developments in the field of modern Hindi poetry • Student will learn about the leading poets of modern Hindi poetry and their contributions • Student will learn about the poetess Anamika through the specified poems in the syllabus	
	1- 1 आधुनिक हिंदी काव्य की पृष्ठभूमि (राजनीतिक , सामाजिक , साहित्यिक परिवेश) **नवजागरण , समाज - सुधारवादी संस्थाएं, आधुनिक काल का इतिहास**	**20**

	2- आधुनिक हिंदी साहित्य - सामान्य प्रवृत्तियाँ - भारंतेदु युग , द्विवेदी युग , छायावाद , प्रगतिवाद , प्रयोगवाद , नयी कविता , समकालीन कविता **3- प्रमुख हिंदी कवि - सामान्य परिचय भारतेंदु हरिश्चंद्र , मैथिलीशरण गुप्त , जयशंकर प्रसाद , सुमित्रानंदन पंत , सूर्यका6ट त्रिपाठी निराला , महादेवी वर्मा , नागार्जुन , अज्ञेय , मुक्तिबोध , धूमिल , चंद्रकांत देवताले , अरुण कमल ,राजेश जोशी , कात्यायनी** **- निर्धारित कवयित्रीः चयनित कविताएँ** • कविताएं : अनामिका - कवि ने कहा स्त्रियाँ, फ़र्नीचर, मौसियाँ, सूली ऊपर सेज पिया की, चकमक पत्थर, डाक-टिकट, हरियाली है एक पत्ती का खो जाना, बम, पत्ता-पत्ता, बूटा बूटा, घुमंतू टेलीफोन, खुरदुरी हथेलियाँ, धोखा, बेरोजगार, अनुपस्थित, मोहल्ले की आयरन-बालाओं के गम, घूंघट के पट खोल रे, गालियाँ सुन लेने का शील, मरने की फुर्सत, दरवाजा, चुटपुटिया बटन	
Pedagogy **अध्यापन विधि**	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति	
Text **आधार ग्रंथ**	अनामिका - कवि ने कहा, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली 2011	
References/ Readings **(संदर्भ ग्रंथ)**	**संदर्भ-ग्रंथ -** • रामचन्द्र शुक्ल : हिन्दी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी • बच्चन सिंह : हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली,	

	२०१७ • नगेंद्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, २००० • हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली, २०१७ • वासुदेव सिंह : हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, संजय बुक सेंटर, वाराणसी • नंदकिशोर नवल : समकालीन काव्य यात्रा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, २०१४ • सं. लीलाधर मंडलोई : कविता के सौ बरस, शिल्पायन प्रकाशन, नई दिल्ली,२००८ • सं. अभिषेक कश्यप : अनामिका एक मूल्यांकन, सामयिक बुक्स, नई दिल्ली,२०१३ • परमानंद श्रीवास्तव : कविता का अर्थात, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, २००८	

गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

Programme : B.A. HINDI (HONOURS)
SEMESTER- V
Course :Discipline Specific Core DSC HNC- 106
Title of the Course : भारतीय काव्यशास्त्र
(Bhartiya Kavyashastra)
No. of Credits : 4 (60 Hours)
Effective from Academic Year: 2020-2019

Prerequisites for the course पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	• काव्यशास्त्र की परिचयात्मक जानकारी आवश्यक है।	**Hours**
Objective उद्देश्य	• विद्यार्थियों को भारतीय काव्यशास्त्र के विविध पहलुओं से परिचित कराना। • छात्रों को उच्चतर अध्ययन के लिए तैयार करना एवं उनमें काव्य/साहित्य के गहन अध्ययन के प्रति रुचि निर्माण करना।	
Learning outcome अधिगम परिणाम	भारतीय काव्यशास्त्र की मूल स्थापनाओं से परिचित होंगे।	
Content विषयवस्तु	**१. काव्यशास्त्र** • काव्य: अवधारणा एवं स्वरूप • काव्य हेतु एवं प्रयोजन • काव्य लक्षण • काव्य : भेद एवं विशेषताएं • काव्यःगुण एवं दोष • शब्दशक्तियाँ	**30 hours**
	२. काव्य-सम्प्रदाय • रस • अलंकार • ध्वनि • रीति • वक्रोक्ति • औचित्य	**15 hours**

	३. रस • अवधारणा एवं स्वरूप • रसनिष्पत्ति सिद्धान्त- • साधारणीकरण • रस के प्रकार	**15 hours**
Pedagogy **अध्यापन विधियाँ**	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, स्वाध्याय, संगोष्ठी, दृश्यश्रव्य - प्रस्तुति	
References/ readings **संदर्भ - ग्रंथ**	• भगीरथ मिश्रः काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, सं.1980 • बाबू गुलाबरायः काव्य के रूप • देशराजसिंह भाटीःभारतीय एवं पाश्चात काव्यशास्त्र • सत्यदेव चौधरीःभारतीय काव्य शास्त्र • सभापति मिश्रःभारतीय काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य साहित्य चिंतन, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, सं.2007 • योगेंद्र प्रताप सिंहःभारतीय काव्य शास्त्र • तारकनाथ बालीःभारतीय काव्यशास्त्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.2010	

गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

Programme: B.A. HINDI (HONOURS)

SEMESTER- V

Course: Discipline Specific Core DSC HNC- 107

Title of the course: हिंदी भाषा का इतिहास Hindi Bhasha Ka Itihas

No. of credits: 4 (60 Hours)

Effective from Academic Year: 2019-2020

Prerequisites for the course **पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित**	• हिंदी भाषा के प्रारंभिक स्वरूप का ज्ञान होना अपेक्षित है। • It is mandatory to have the knowledge of initial form of Hindi language	**Hours**
Objective **उद्देश्य**	• प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को भाषाशास्त्र ,हिंदी भाषा एवं उसके विकास की जानकारी देना । • To provide students information regarding the philology, Hindi language and about its development through the curriculum.	
Learning Outcome **अधिगम परिणाम**	Student's will- • Understand about the concept of reasons behind change in language. • Learn about the specialties and characteristics of language • Get familiar with the history behind the development of language and will learn about the different sub languages • Understand how words related to Science-Technology and other languages emerged in Hindi language.	

Content **विषयवस्तु**	**१. भाषाशास्त्र** • भाषा की अवधारणा, स्वरूप एवं विशेषताएँ • भाषा परिवर्तन के आंतरिक और बाह्य कारण	**10**
	२.हिंदी भाषा के विकास की पूर्वपीठिका • **प्राचीन वैदिक और लौकिक :** संस्कृत • **मध्यकालीन आर्य भाषाएँ:** पालि,प्राकृत,अपभ्रंश आदि के संदर्भ में • **आधुनिक भारतीय आर्य और द्रविड़ भाषाएँ:** बांग्ला,मराठी, कोंकणी, गुजराती, उड़िया, असमिया, पंजाबी, सिंधी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम	**20**
	३. हिंदी भाषा की बोलियाँ : स्वरूप एवं भेद पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, बिहारी हिंदी, राजस्थानी हिंदी, पहाड़ी हिंदी	**10**
	४. खड़ी बोली हिंदी :स्वरूप एवं महत्व हिंदुस्तानी, उर्दू ,दक्खिनी, खड़ीबोली, रेख़्ता, रेख़्ती, देहलवी	**10**
	५. हिंदी शब्दसमूह- • भारतीय आर्य भाषाओं के शब्द • भारतीय अनार्य भाषाओं के शब्द • विदेशी भाषाओं के शब्द	**10**
References/Readings **संदर्भ ग्रंथ**	• डॉ. श्याम सुंदर दास; भाषा विज्ञान, जयपुर प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2008 • डॉ. तिवारी भोलानाथ; हिंदी भाषा और नागरी लिपि, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, सं. 1995 • डॉ. बाहरी हरदेव; हिंदी भाषा विकास और रूप; किताब महल, इलाहाबाद, सं.2008 • डॉ. तिवारी उदय नारायण; हिंदी भाषा उद्भव और विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, सं.2007 • मिश्र नरेश; भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.1990	

	• डॉ. खान इशरत; भाषा विज्ञान : प्रमुख आयाम, अमन प्रकाशन, रामबाग कानपुर, सं.1995 • डॉ. महाजन गिरीश और डॉ. परदेशी भाऊ साहेब; भाषा विज्ञान एवं समाज भाषा विज्ञान, चद्रलोक प्रकाशन, कानपुर, सं.1990	

गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

Programme: B.A. HINDI (HONOURS) **SEMESTER- VI**

Course: Discipline Specific Elective DSE HND- 104

Title of the Course: प्रयोजनमूलक हिंदी (Prayojanmoolak Hindi)

No. of Credits: 4 (60 Hours)

Effective from Academic Year: 2019-2020

Prerequisites for the course **पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित**	• कार्यालयीन हिंदी का सामान्य ज्ञान अपेक्षित है। • It is mandatory to have knowledge about the official Hindi	**Hours**
Objective **उद्देश्य**	• विद्यार्थियों को प्रयोजनमूलक हिंदी एवं कार्यालयीन हिंदी के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराना। • To make students familiar with the different faces of functional Hindi and official Hindi	
Learning Outcome **अधिगम परिणाम**	Student's will- • Gain theoretical knowledge about the nature, importance and various forms of Hindi language • Gain theoretical and practical knowledge of drafting and will learn to write notification, order, circular and memorandum • Develop proficiency in letter writing and typing in Hindi script • Gain knowledge about the various portals and websites of Hindi and will create own blogs	
Content	**1.प्रयोजनमूलक हिंदी**	**10**

विषयवस्तु	• परिभाषास्वरूप एवं निर्धारण के आधार , • हिंदी वर्ण और शब्दों का मानक रूप • हिंदी भाषा के विविध रूपः राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, संचार भाषा, यांत्रिक भाषा आदि।	**Hours**
	2 कार्यालयीन हिंदी • आलेखन- स्वरूप, महत्त्व एवं प्रयोग - अधिसूचना - आदेश - परिपत्र -- ज्ञापन	15 Hours
	3. पत्रलेखन एवं पारिभाषिक शब्दावली • पत्रलेखन - आवेदनपत्र - व्यावसायिक पत्र - संपादक के नाम पत्र - निमंत्रण पत्र • पारिभाषिक शब्दावली (100 शब्दों की सूची संलग्न है।)	**20 Hours**
	4 कंप्यूटर: परिचय, महत्व एवं प्रयोग • हिंदी टंकणः फोनेटिक एवं इनस्क्रिप्ट • इंटरनेट • हिंदी के प्रमुख पोर्टल एवं वेबसाईट • ई मेल एवं ब्लॉग	**15 Hours**
References/Readings संदर्भ ग्रंथ	• डॉ॰ नरेश मिश्र, प्रयोजनमूलक हिंदी, राजपाल एंड संज, सं. 2013 • डॉ॰ लता पी., प्रयोजनमूलक हिंदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, सं. 2015 • डॉ॰ माधव सोनटक्के, प्रयोजनमूलक हिंदी, लोकभारती प्रकाशन, सं. 2009 • अंशुल वर्मा एवं ओंकार नाथ वर्मा, कार्यालय पद्धति एवं कम्प्यूटर प्रचालन, उपकार प्रकाशन, आगरा।	

अ) हिंदी पारिभाषिक अभिव्यक्तियाँ

1. Acceptance as required may please be furnished soon-. आवश्यक स्वीकृति कृपया शीघ्र भेजें।

2. Advance permission is essential - अग्रिम अनुमति आवश्यक है।

3. A revised memorandum is put up as desired - यथावांछित संशोधित ज्ञापन प्रस्तुत है।

4 .Backward reference may be connected. - पिछला संदर्भ साथ दें।

5. Circulate this information among all the employees - यह सूचना सब कर्मचारियों को परिचालित करें।

6. Detailed particulars may be furnished - विस्तृत विवरण भेजा जाएँ।

7. Enquiry has not been held in a proper manner - जाँच सही ढंग से नहीं की गई है।

8. Following employees are confirmed - निम्नलिखित कर्मचारी स्थाई किए जाते हैं।

9. Government considers it desirable that…. सरकार वांछनीय समझती है कि ….

10. Has applied to mutual transfer-.....से परस्पर तबादले के लिए आवेदन दिया है।

11. I have been directed to inform you - मुझे निर्देश हुआ है कि मैं आपको सूचित करूं।

12. Kindly acknowledge receipt - कृपया पावती भेजें।

13. Leave asked for may be sanctioned - मांगी गई छुट्टी मंजूर की जाए।

14. Lowest quotations may be accepted - सबसे कम निर्ख स्वीकार कर लिया जाए।

15. Matter should be treated as most urgent - मामला अति आवश्यक समझा जाना चाहिए।

16. Notified for general information - जनसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित।

17. Objections have been dealt with - आपत्तियों पर विचार कर लिया गया है।

18. Personal attention is required - वैयक्तिक ध्यान की आवश्यकता है।

19. Quote regarding delegation of powers – प्राधिकार अर्पण संबंधी नियम बताएं।

20. Relevant papers may please be put up - कृपया संबंधित कागज पत्र प्रस्तुत करें।

21. Rough estimate of the expenditure - प्रत्याशित व्यय का मोटा अनुमान।

22. Subject is still under consideration - विषय अभी विचाराधीन है।

23. This is not admissible under the rules under intimation to this office - नियमों के अधीन यह स्वीकार्य नहीं है।

24. Usual rules would be applicable in the case - इस संबंध में सामान्य नियम लागू होंगे।

25. Your view on the above subject is awaited - ऊपर दिए गए विषय पर आपके विचारों की प्रतीक्षा है।

आ) हिंदी पारिभाषिक शब्दावली

1. Academic year - शिक्षा वर्ष

2. Addendum - परिशिष्ट

3. Applicant - आवेदक

4. Bank Accounts - बैंक खाता

5. Bonafide - वास्तविक, असली

6. Bureau - ब्यूरो, कार्यालय, केंद्र

7. Bail - जमानत

8. Cash certificate - नकदी पत्र

9. Census - जनगणना

10. Contents - विषय सूची

11. Demand drafts - मांग पत्र

.12. Disciplinary action - अनुशासनिक कार्यवाही

13. Daily allowance - दैनिक भत्ता

14. Executive Council - कार्यकारी परिषद

15. Enquiry office - पूछताछ कार्यालय

16. Economy - अर्थव्यवस्था

17. Forwarding letter - अग्रेषण पत्र

18. Foreign exchange department - विदेशी मुद्रा विनिमय विभाग

19. Finger print - अंगुलि छाप

20. Gazette officer - राजपत्रित अधिकारी

21. General Manager - महाप्रबंधक

22. Gross income - सकल आय

23. Government Nominee - सरकारी मनोनीत व्यक्ति

24. Handicraft - दस्तकारी, हस्तकला

25. Highway - राजपथ/ राजमार्ग/ जनपथ

26. Honorarium - मानदेय

27. Identification - पहचान पत्र

28. Income tax - आयकर

29. Inward remittance section - आवक वित्त प्रेषण अनुभाग

30. Judicial - न्यायिक/ अदालती/ न्यायालयीक

31. Justification - औचित्य

32. Joint Chief Cashier - मुख्य संयुक्त रोकड़िया

33. Keyboard - कुंजीपटल

34. Lateral - पार्श्विक

35. Ledger - खाता बही

36. Lumpsum - एकमुश्त

37. Maternity leave - प्रसूति अवकाश

38. Manual - नियम पुस्तक

39. Ministry of Steel and Mines - इस्पात और खाना मंत्रालय

गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

Programme : B.A. HINDI (HONOURS) SEMESTER- VI
Course :Discipline Specific Elective DSE HND- 105
Title of the Course : भारतीय साहित्य
(Bhartiya Sahitya)
No. of Credits : 4 (60 Hours)
Effective from Academic Year: 2019-2020

Prerequisites for the course **पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित**	• भारतीय साहित्य में रुचि अपेक्षित है।	**Hours**
Objectives **उद्देश्य**	• भारतीय साहित्य की अवधारणा से परिचित कराना । • निर्धारित रचनाओं के अध्ययन द्वारा विद्यार्थियों को भारतीय साहित्य की मूल संवेदना से जोड़ना ।	
Learning Outcome **अधिगम परिणाम**	Student's will- • Get to know Bangla, Panjabi, Kashmiri, Gujarati, Udiya ,Malayalam, Marathi, Kannada literature.	
Content **विषयवस्तु**	• **भारतीय साहित्य** अवधारणा, स्वरूप एवं विशेषताएँ। भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ	**05 Hours**
	• **भारतीय कहानियाँ** महाश्वेता देवी -भीषण युद्ध के बाद (बंगला) अमृता प्रीतम - न जाने कौन रंग रे (पंजाबी) हरिकृष्ण कौल - भुनमछली (कश्मीरी) किशोर जादव - आगन्तुक (गुजराती) जगन्नाथप्रसाद दास- सम्प्रदाय (उड़िया)	**10 Hours**
	• **मलयालम उपन्यास** तकषी शिवशंकर पिल्लै -चेम्मीन	**15 Hours**

	• **मराठी कविताएँ** कुसुमाग्रज- गरजो जयजयकार क्रांति का, दीपस्तम्भ, पृथ्वी का प्रेमगीत, नदी, कौन ,फेरीवाला, रीढ़ की हड्डी, अभिनेता, इस मिट्टी से,विशेषण	**15 Hours**
	• **कन्नड नाटक** गिरीश कर्नाड - नागमंडल	**15 Hours**
Pedagogy **अध्यापन विधि**	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति आदि।	
Text **आधार ग्रंथ**	1) कुसुमाग्रज - इसी मिट्टी से- (सं) भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली,सं.2003 2) तकषी शिवशंकर पिल्लै- चेम्मीन-साहित्य अकादमी , नई दिल्ली,सं.2000 3) डॉ.के.वनजा(सं) भारतीय कहानियाँ, राजपाल एण्ड सन्ज़, नई दिल्ली सं.2015 4) गिरीश कार्नाड- नागमंडल, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, सं.2001	
References/ Readings **(संदर्भ ग्रंथ)**	1) डॉ.नगेंद्र,भारतीय साहित्य, प्रभात प्रकाशन, सं.2018 2) रामछबीला त्रिपाठी- भारतीय साहित्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.2014 3) मूलचंद गौतम(सं)-भारतीय साहित्य, राधाकृष्ण प्रकाशन,नई दिल्ली, सं.2009 4) डॉ.सियाराम तिवारी (सं.), भारतीय साहित्य की पहचान, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.2015	

गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

Programme : B.A. HINDI (HONOURS)
SEMESTER- VI
Course :Discipline Specific Core DSC HNC- 108
Title of the Course : स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गद्य
(Swatantryottar Hindi Gadya)
No. of Credits : 4 (60 Hours)
Effective from Academic Year: 2019-2020

Prerequisites for the Course **पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित**	• हिंदी साहित्य का परिचयात्मक ज्ञान होना अपेक्षित है।	**Hours**
Objectives **उद्देश्य**	• प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गद्य के विकास का अध्ययन करेंगे।	
Learning Outcome **अधिगम परिणाम**	• Student will get to know about the political, social, literary and cultural background after independence and its effect on post-Independence Hindi prose • Student will learn about the leading story writers of post-independence Hindi stories and their contributions • Students will acquire knowledge about the nature of post-independence Hindi novel and will learn about the specific features of the same • Students will acquire knowledge about the nature of post-independence Hindi Drama and will learn about the specific features of the same	
Content **विषयवस्तु**	**1. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गद्य** • युगीन परिवेश - राजनीतिक,सामाजिक,	**10**

	साहित्यिक एवं सांस्कृतिक	
	2. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कहानी • स्वरूप एवं प्रवृत्तियां • प्रमुख कहानीकारः सामान्य परिचय मोहन राकेश, कमलेश्वर, राजेंद्र यादव, महीप सिंह,फणीश्वरनाथ रेणु, मन्नू भंडारी, उदय प्रकाश, प्रियंवद, मैत्रेयी पुष्पा, ओमप्रकाश वाल्मीकि । • चयनित कहानियां : निर्मल वर्मा- परिंदे, कृष्णा सोबती- सिक्का बदल गया, भीष्म साहनी- गंगो का जाया	**16**
	3. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास • स्वरूप एवं प्रवृत्तियां • प्रमुख उपन्यासकारः सामान्य परिचय आ.हजारीप्रसाद द्विवेदी, यशपाल, अज्ञेय, भगवतीचरण वर्मा, फणीश्वरनाथ रेणु, श्रीलाल शुक्ल, मृदुला गर्ग, कृष्णा सोबती, विनोदकुमार शुक्ल, संजीव । • चयनित उपन्यास- चित्रा मुद्गल- गिलिगडु	**17**
	4. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक • स्वरूप एवं प्रवृत्तियां • प्रमुख नाटककारः सामान्य परिचय जगदीशचंद्र माथुर, धर्मवीर भारती, लक्ष्मीनारायण लाल, मोहन राकेश, सुरेंद्र वर्मा, शंकर शेष,मणि मधुकर, हबीब तनवीर, स्वदेश दीपक, मीरा कांत चयनित नाटक - त्रिपुरारी शर्मा - अक्स पहेली	**17**
Pedagogy **अध्यापन विधि**	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति आदि।	

Text **आधार ग्रंथ**	त्रिपुरारी शर्मा -अक्स पहेली, राजकमल प्रकाशन, 1984 चित्रा मुद्गल- गिलिगडु , सामयिक प्रकाशन, 2003	
References/ Readings **(संदर्भ ग्रंथ)**	**संदर्भ-ग्रंथ -** 1. गोपाल राय, हिंदी कहानी का इतिहास, भाग 2, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, सं.2014 2. गोपाल राय, हिंदी कहानी का इतिहास, भाग 3, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, सं.2014 3. नामवर सिंह, कहानीः नई कहानी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली, सं.1973 4. डॉ. एन. मोहन(सं.), समकालीन हिंदी कहानी, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली, सं.2007 **5.** चंद्रकांत बांदिवडेकर, आधुनिक हिंदी उपन्यास-सृजन और आलोचना, नेशनल पब्लिकेशन हाउस, नई दिल्ली, सं.1985 6. डॉ.गरिमा श्रीवास्तव, हिंदी उपन्यासों में बौद्धिक विमर्श, संजय प्रकाशन, दिल्ली, सं.1999. 7. डॉ. विवेक राय, समकालीन हिंदी उपन्यास , राजीव प्रकाशन, इलाहाबाद 8. डॉ. जयदेव तनेजा, समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली 9. डॉ.जयदेव तनेजा,हिंदी नाटक : आज तक, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली 10. गोविन्द चातक, हिंदी नाटकः इतिहास के सोपान, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.2002	

गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

Programme : B.A. HINDI (HONOURS) SEMESTER- VI

Course :Discipline Specific Core DSC HNC- 109

Title of the Course : पाश्चात्य काव्यशास्त्र

(Pashchatya Kavyashastra)

No. of Credits : 4 (60 Hours)

Effective from Academic Year: 2019-2020

Prerequisites for the course पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	• पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परिचयात्मक जानकारी होना आवश्यक है।	**Hours**
Objective उद्देश्य	• विद्यार्थी पाश्चात्य काव्यशास्त्र की अवधारणाओं से परिचित होंगे।	
Learning Outcome अधिगम परिणाम	• पाश्चात्य काव्यशास्त्र की मूल स्थापनाओं से परिचित होंगे।	
Content विषयवस्तु	**1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास** • उद्भव एवं विकास • प्रमुख पाश्चात्य विचारकः सामान्य परिचय	**15**
	2. प्रमुख सिद्धांतः सामान्य परिचय • अनुकरण • विरेचन • उदात्त	**15**
	3. सैद्धांतिक अवधारणाएं • स्वच्छंदतावाद • अभिव्यंजनावाद • निर्वैयक्तिकतावाद	**15**

	• बिंब • प्रतीक • मिथक	**15**
Pedagogy **अध्यापन विधियाँ**	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, स्वाध्याय, संगोष्ठी, दृश्यश्रव्य - प्रस्तुति	
References/ readings **संदर्भ - ग्रंथ**	• भगीरथ मिश्रः काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, सं.1980 • देशराजसिंह भाटीःभारतीय एवं पाश्चात काव्यशास्त्र • सभापति मिश्रःभारतीय काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य साहित्य चिंतन, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, सं.2007 • तारकनाथ बालीःपाश्चात्य काव्यशास्त्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.2010 • निर्मला जैन, कुसुम बांठियाःपाश्चात्य साहित्य चिंतन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.2009 • देवेंद्रनाथ शर्माःपाश्चात्य काव्यशास्त्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, सं.1984	

गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

Programme: B.A. HINDI (HONOURS) SEMESTER- VI

Course: Discipline Specific Core DSC HNC- 110

Title of the Course: हिंदी व्याकरण (Hindi Vyakaran)

No. of Credits: 4 (60 Hours)

Effective from Academic Year: 2019-20

Prerequisites for the course **पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित**	हिंदी व्याकरण की सामान्य जानकारी होना अपेक्षित है। It is mandatory to have general knowledge about the Hindi grammar	**Hours**
Objective **उद्देश्य**	• विद्यार्थी हिंदी भाषा, लिपि, व्याकरण एवं शुद्ध वर्तनी का अध्ययन करेंगे। • Students will learn about Hindi language, script, grammar and pure spellings	
Learning Outcome **अधिगम परिणाम**	Student's will- • Gain theoretical understanding on origin of Hindi and will develop deep understanding about the nature of language • Develop understanding about the uniformity of Hindi numerical words • Develop practical understanding about the usage of grammar and will gain proficiency in writing skills. • Develop understanding about the standardization of spellings.	
Content **विषयवस्तु**	**1. भाषा लिपि और हिंदी की उत्पत्ति** • भाषाः परिभाषा और स्वरूप	**15**

	• लिपिः अवधारणा, स्वरूप एवं प्रकार • हिंदी की उत्पत्ति	
	2. मानक हिंदी वर्णमाला एवं अंक • वर्णों का उच्चारण और वर्गीकरण • हिंदी के संख्यावाचक शब्दों की एकरूपता • विराम चिह्नों का प्रयोग	**10**
	3. हिंदी व्याकरण • शब्द एवं पदः अवधारणा , स्वरूप एवं भेद • शब्दसाधनः वर्गिकरण, रूपांतरण और व्युत्प त्ति • विकारी एवं अविकारी शब्द : भेद • वचन, लिंग एवं कारक : रूपांतरण • वाक्य संरचनाः स्वरूप एवं भेद • संधि और समास	**25**
	4. हिंदी वर्तनी • वर्तनी का मानकीकरण • शुद्ध वर्तनी - अभ्यास	**10**
References/Readings **संदर्भ ग्रंथ**	• कामताप्रसाद गुरु ,व्याकरण हिंदी - प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली • डॉ॰ हरदेव बाहरी, व्यावहारिक हिंदी व्याकरण, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, सं. 1985 • डॉ॰ वैकट शर्माः व्यावहारिक हिंदी व्याकरण, मिनर्वा पब्लिकेशन, जोधपुर, सं. 2013 • रामचंद्र वर्माः अच्छी हिंदी लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद	